

---

# Devadikritam Shanmukhashatkam

---

## देवादिकृतं षण्मुखषट्कम्

---

### Document Information

Text title : Devadikritam Shanmukhashatkam

File name : ShaNmukhaShaTkamdevAdikRRitaM.itx

Category : shiva, shivarahasya, ShaTkam

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | mAheshvarAkhyah prathamAMshaH | adhyAyaH 60 - skandastutiH | 121-127||

Latest update : December 17, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

देवादिकृतं षण्मुखषट्कम्



देवाद्याः -

शरणातुल मातुलगाधिपते करुणाकर कामद कामहन्तः ।

शरकाननसम्भवचारुरुचे परिपालय तारकमारक नः ॥ १२१ ॥

हरसारसमुद्भवहैमवतीकरपल्लवलालित कम्प्रतनो ।

पुरवैरिमुकुन्दहृदम्बुनिधे परिपालय तारकमारक नः ॥ १२२ ॥

शरदिन्दुसमानषडाननापारसरसीरुहलोचनया विलोचनया ।

निरुपाधिकया निजबालतया परिपालय तारकमारक नः ॥ १२३ ॥

गिरिजासुत सायकभिन्नगिरे सुरसिन्धुतनूज सुवर्णरुचे ।

शिखिजात शिखावलवाहगते परिपालय तारकमारक नः ॥ १२४ ॥

जय विप्रजनप्रिय वीरमनोजय भक्तपरायण भद्रनमो ।

जय शाखविशाखकुमार नमो परिपालय तारकमारक नः ॥ १२५ ॥

पुरतो भव मे परितो भव मे पथि मे भगवन्भरक्षतान्तम् ।

(पुरतो भव मे परितो भव मे पथि मे भगवन्भरक्षनमः) ।

वितरागिषु मे विजयिन् भगवन् परिपालय तारकमारक नः ॥ १२६ ॥

(फलम्) -

इति कुक्कुटकेतुमनुस्मरतां पठतामपिषण्मुखषट्कमिदम् ।

नमतामभिनन्दनमिन्दुभृतो न क्षयं कचिदस्ति शरीरिणाम् ॥ १२७ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते माहेश्वराख्ये देवादिकृतं षण्मुखषट्कम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । माहेश्वराख्यः प्रथमांशः । अध्यायः ६० - स्कन्दस्तुतिः । १२१-१२७ ॥

- .. shrIshivarahasyam . mAheshvarAkhyah prathamAMshah . adhyAyaH 60 - skandastutiH . 121-127..


Notes:


Devā-s devAH eulogize Skanda स्कन्द.

.. shivarahasya aMshaH 1.. B

Encoded and proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Devadikritam Shanmukhashatkam*  
pdf was typeset on December 17, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

